हिन्दी साप्ताहिक

RNI No. UPHIN/2011/43668

WWW.JANVEENA.COM

जनवीणा

स्वर जन-मन का...

वर्ष : 12 | अंक : 27 | लखनऊ, 21 जून, 2023 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रूपये

सीएम योगी बोले, भूखे मर रहे हैं पाकिस्तानी

भारत में विलय चाहते हैं पीओके के लोग

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अंबेडकरनगर में आयोजित जनसभा में केंद्र की मोदी सरकार की नौ साल की उपलब्धियां गिनाई और जिले को 1212 करोड़ की योजनाओं की सौगात दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक तरफ जहां भारत से अलग हुआ पाकिस्तान अपने कर्मों की सजा भुगत रहा है। उसके नागरिक भूख से मर रहे हैं। वहां एक किलो आटा के लिए छीना झपटी मची हुई है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के लोग पाकिस्तान के साथ नहीं रहना चाहते हैं। वहां के लोग मांग कर रहे हैं पीओके का विलय भारत में हो जाए। वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक नई यात्रा की ओर आगे बढ़ चुका है। आज

दुनिया में जब भी कोई संकट आता है तो पूरा विश्व आशा भरी निगाहों से भारत की तरफ देखता है।

उन्होंने कहा कि 2014 के पहले तक यही भारत आतंकवाद, नक्सलवाद और माओवाद से ग्रसित था। आज कोई भी दुश्मन भारत की तरफ आंख उठाकर नहीं देख सकता है। देश के 15-18 जिलों में फैला माओवाद और नक्सलवाद अब 3-4 जनपदों तक सीमित रह गया है। भारत की धरती से बहुत ही जल्द माओवाद और नक्सलवाद पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के नौ साल भारत के इतिहास के लिए बेमिसाल हैं। सीएम योगी ने मंगलवार को केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के साथ अंबेडकरनगर पहुंचे। इस दौरान दोनों ने 1,212 करोड़ रुपए की 2,339 विकास परियोजनाओं का लोकर्पण और शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि हमें प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के विकास के प्रति पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा। इसके लिए आवश्यक होगा हम गांव की इकाइयों को भी छुएं। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है। कल इस अवसर पर दुनिया भारत की ऋषी परंपरा के प्रति अपना आभार व्यक्त करेगी आप सब भी अपने अमृत सरोवर, पंचायत भवन, ग्राम सचिवालय या किसी भी सार्वजनिक स्थल पर प्रात: योगाभ्यास करें और योग को आम जन तक पहुंचाने का कार्य करें। यह हम सबकी जिम्मेदारी बनती है।

उन्होंने कहा कि अब देश में आतंकवाद, उग्रवाद और नक्सलवाद खात्मे की ओर है। आज दुनिया भारत को सम्मान की नजर से देखती है। दुनिया में प्रधानमंत्री मोदी की छवि संकटमोचन के तौर पर बनी है। अब देश में घुसपैठ नहीं होती है। सर्जिकल स्ट्राइक होती है। उन्होंने कहा कि देश से जल्द ही माओवाद और नक्सलवाद का पूर्ण खात्मा होगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहले कोई सोच भी नहीं सकता था कि कश्मीर से 370 खत्म किया जा सकता है। अब पाक अधिकृत कश्मीर के लोग भारत आना चाहते हैं वो दरिद्र पाकिस्तान नहीं जाना चाहते हैं।

अब कोई माफिया किसी गरीब व व्यापारी की संपत्ति पर कब्जा नहीं कर सकता

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में कानून का राज है। अब कोई भी माफिया किसी गरीब और व्यापारी की संपत्ति पर कब्जा नहीं कर सकता है। अयोध्या में राम मंदिर बन रहा है। प्रभु श्रीराम अपने घर में विराजमान होंगे। अयोध्या का विकास होगा तो अंबेडकरनगर को भी लाभ होगा।

यूपीए सरकार से ज्यादा नौकरियाँ मोदी सरकार ने दीः जितेंद्र सिंह

नयी दिल्ली (यूएनएस)। बेरोजगारी के आंकड़े को लेकर विपक्षी दलों की तरफ से लगातार राजनीतिक हमलों का सामना कर रही मोदी सरकार की तरफ से पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने दावा किया है कि पिछले 9 सालों के दौरान मोदी सरकार ने यूपीए सरकार की तुलना में ज्यादा लोगों को नौकरियां दी है। भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि यूपीए सरकार के पहले 9 वर्ष के दौरान 6,02,045 भर्तियां की गईं। जबकि, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 9 वर्षों के दौरान 8,82,191 भर्तियां की गई। नौकरियों के गणित और गुणवत्ता, दोनों ही मामलों में मोदी सरकार, यूपीए सरकार की तुलना में कई गुना ज्यादा बेहतर रही है। विस्तार से बताते हुए दावा किया कि यूपीए सरकार के कार्यकाल में 2004 से 2013 के दौरान एसएससी द्वारा 2,07,563 भर्तियां की गई थी। जबकि, मोदी सरकार के 9 वर्षों के दौरान 4,00,691 भर्तियां की गई है। इसी तरह से यूपीए सरकार ने यूपीएससी के द्वारा 45,431 नौकरियां दी थी। जबकि, मोदी सरकार में यह संख्या बढ़कर 50,906 पहुंच गई। उन्होंने आगे कहा कि यूपीए सरकार ने आरआरबी के द्वारा 3,47,251 नौकरियां दी थी। लेकिन, मोदी सरकार ने आरआरबी के जरिए इससे कहीं ज्यादा यानी 4,30,594 लोगों को नौकरियां दी है। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने पेंशन, कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि, कर्मचारी कल्याण, ईमानदार कर्मचारियों को बढ़ावा दिया गया है।

मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएं पिछड़े, 2024 के बाद लागू होगा समान नागरिक संहिता

लखनऊ। भाजपा के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लक्ष्मण ने कहा कि पिछड़ा वर्ग पूरी एकजुटता दिखाकर मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाए जिससे कि देश में समान नागरिक संहिता लागू हो सके।

भाजपा के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लक्ष्मण ने कहा कि आजादी के 75 वर्षों में पिछड़ों की तरक्की के लिए जो काम मोदी सरकार ने बीते 9 वर्षों में किए वे अभूतपूर्व हैं। उन्होंने पिछड़ा वर्ग का आह्वान किया कि वह पूरी एकजुटता दिखाकर 2024 के लोक सभा चुनाव में मोदी सरकार को दो तिहाई बहुमत से जिताए ताकि देश में समान नागरिक संहिता लागू हो सके।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल और तेलंगाना जैसे गैर भाजपा शासित राज्यों में पिछड़ा वर्ग का हक ओबीसी

मुस्लिम मार रहे हैं। वह मंगलवार को लोक निर्माण मुख्यालय के विश्वेश्वरैया सभागार में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की ओर से आयोजित धन्यवाद मोदी जी सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बसपा और वामपंथी दलों ने पिछड़ों को हमेशा वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया लेकिन उनकी वास्तविक तरक्की का रास्ता मोदी सरकार ने ही साफ किया। मोदी सरकार ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया। विभिन्न शिक्षण संस्थाओं और नीट परीक्षा में ओबीसी के लिए निर्धारित 27 प्रतिशत आरक्षण को अक्षरश: लागू किया। मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पिछड़ा वर्ग तक बिना भेदभाव के पहुंचा।

सम्पादकीय

महातूफान वर्षा और लू

आपदाएं खत्म होने का नाम नहीं ले रही। महातूफान तब आते हैं जब समुद्र की अपनी सतह पर तापमान बढ़ जाए। बंगाल की खाड़ी का औसतन तापमान 28 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहने लगा है तो हर साल आधा दर्जन तूफान हमें झेलने ही पड़ेंगे। गुजरात में प्रलय दिखने के बाद तूफान ने राजस्थान में बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए। इस तूफान ने मानसून की गति को भी अवरुद्ध कर दिया। अब उत्तर प्रदेश, बिहार में भीषण लू से कई लोगों की मौत दुखद है। इन दो राज्यों के अलावा ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भी भीषण गर्मी पड़ रही है। भारत ही नहीं समूचा विश्व इस समय जलवायु परिवर्तन की त्रासदी भुगत रहा है। देश में कई राज्यों में अतिवृष्टि तो कई राज्यों में सूखा पड़ने की आशंकाएं बल पकड़ चुकी हैं। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कम बारिश होने की भविष्यवाणी कर दी गई है। पिछले कुछ दशकों से धरती के तापमान में बढ़ौतरी को नियंत्रित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, परंतु धरातल पर इन प्रयासों का कोई परिणाम सामने दिखाई नहीं दे रहा। वैज्ञानिक अभी और 2027 के बीच वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि सीमा को पार करने की संभावना जताई है अगर हर साल तापमान ऐसे ही बढ़ता रहा और ऐसा एक-दो दशक तक होता रहा, तो लू चलने की अवधि लंबी होती जाएगी, बड़े-बड़े तूफान आएंगे और जंगलों में आग लगने की घटनाओं में भारी बढ़ौतरी होगी, ये सभी स्थिथ्तयां अभी भी चिंताजनक स्तर पर हैं तथा सूखे और असमय बरसात भी कहर बन चुके हैं। आमतौर पर जल संकट से अनजान यूरोपीय देश स्पेन सूखे से जूझ रहा है तथा देश के एक हिस्से के मरुस्थल बनने का खतरा उत्पन्न हो गया है। विश्व मौसम संगठन के अनुसार, 2022 हालिया इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में एक है। पिछले आठ वर्षों से लगातार वैश्विक तापमान में पूर्व औद्योगिक युग की तुलना में कम-से-कम एक डिग्री सेल्सियस की बढ़ौतरी हुई है। अस्सी के दशक से हर दशक पिछले दशक की तुलना में अधिक गर्म रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जलवायु समझौतों तथा अध्ययनों के सुझावों पर सही ढंग से अमल शुरू नहीं होगा, तो तापमान वृद्धि इसी तरह जारी रहेगी। भारत की बात करें तो वर्ष फरवरी 122 सालों में सर्वाधिक गर्म फरवरी रहा। भारत की अर्थव्यवस्था मानसून पर निर्भर होती है। मानसून के चलते ही भारत दुनिया की मजबूत अर्थव्यवस्था बना है। मानसून के अनिश्चित रहने से कृषि उत्पादन का संतुलन बिगड़ जाता है। सरकार का बही खाता मानसून से ही चलता है, अगर वर्षा अच्छी हो तो फसल अच्छी होती है, अगर सूखा पड़ जाए तो सब कुछ अस्त-व्यस्त हो जाता है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को कैसे झेला जाए? दरअसल मनुष्य ने प्राकृति से जितना खिलवाड़ कर दिया है उसकी भरपाई निकट भविष्य में नहीं की जा सकती है। मनुष्य ने अपने जीवन को सहज बनाने के लिए सारे साधन तो जुटा लिए जिससे कार्बन उत्सर्जन बढ़ता चला गया। विषाक्त गैसों से जलवायु विषाक्त होती गई और धरती का तापमान बढ़ता ही चला गया, अब जलवायु का चक्र ही बदल चुका है। प्राकृति संहारक साबित हो रही है। एक के बाद एक त्रासदियों से रातें लंबी काली और भयानक हो रही हैं और विस्थापित हुए हजारों लोगों के जीवन में सन्नाटा और अंधकार छा जाता है। महातूफान हो या भीषण लू इनसे इंसानी जिंदगियां ही नहीं आशियानें भी बर्बाद हो रहे हैं। अब भी समय है कि इंसान जलवायु संकट को एक अपात स्थिति समझें और प्राकृति के साथ रहना सीखें। पूरी दुनिया में इंसानों को ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने और जल स्त्रोतों को बचाने के लिए काम करना होगा। विलासतापूर्ण जीवन को छोड़कर हम सबको कार्बन उत्सर्जन घटाने के प्रयास करने होंगे। वैश्वक स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन और उपभोग बढ़ाना होगा। रेफ्रीजरेटर, एयर कंडीशन और कार्बन उत्सर्जन करने वाले वाहनों का इस्तेमाल भी सीमित करना होगा। अगर इंसान अब भी नहीं संभला तो प्राकृति रोद्र रूप दिखाती रहेगी और इंसानों को मौत की आगोश में सुलाती रहेगी।

स्टालिन का सराहनीय फैसला

तमिलनाडु में सत्तारुढ़ डीएमके ने भाजपा की नेता खुशबू सुंदर और राज्यपाल आर एन रवि पर दिए गए विवादित बयानों के बाद अपने नेता शिवाजी कृष्णमूर्ति को न केवल पार्टी की सदस्यता से बर्खास्त किया, बल्कि अब उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया गया है। दरअसल इस साल जनवरी में शिवाजी कृष्णमूर्ति ने राज्यपाल आर एन रवि के खिलाफ अपने अपमानजनक बयान देते हुए था कि अगर राज्यपाल अपने विधानसभा भाषण में आंबेडकर का नाम लेने से इनकार करते हैं, तो क्या मुझे उन पर हमला करने का अधिकार नहीं है? इस बयान में कृष्णमूर्ति ने उन्हें कश्मीर चले जाने की नसीहत भी दी थी। उन्हें तभी पार्टी से निलंबित कर दिया गया था। अब कृष्णमूर्ति ने अपने एक भाषण में भाजपा की नेता और राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य खुशबू सुंदर को पुराना ढोल बताया। इस पर डीएमके ने उन्हें पार्टी से निष्कासित ही कर दिया। इस बारे में डीएमके महासचिव दुरईमुरुगन ने घोषणा की कि शिवाजी कृष्णमूर्ति को पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करने और इसे बदनाम करने के लिए प्राथमिक सदस्यता सहित पार्टी के सभी पदों से बर्खास्त किया जा रहा है।इससे पहले खुद पर की गई अपमानजनक टिप्पणी के लिए खुशबू सुंदर ने डीएमके नेतृत्व पर ही सवाल उठा दिए थे। उन्होंने अपने ट्वीट में मुख्यमंत्री स्टालिन से सवाल किया है कि क्या आप अपने परिवार की महिलाओं के बारे में ऐसे बयानों को स्वीकार करेंगे। खुशबू ने स्टालिन को यह भी लिखा कि आपकी पार्टी असभ्य गुंडों के लिए एक सुरक्षित आश्रय बन रही है। यह बहुत शर्म की बात है। बहरहाल भाजपा ने इस मामले की पुलिस में शिकायत की तो अब कृष्णमूर्ति को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। खुशबू सुंदर ने ऐलान किया है कि मेरी लड़ाई रुकने वाली नहीं है और इस तरह के पुरुषों को सबक सिखाने की जरूरत है। उन्होंने ये भी बताया कि राष्ट्रीय महिला आयोग ने इस मामले पर स्वतरू संज्ञान लिया है और भाजपा अपनी नेता के साथ खड़ी है। किसी भी महिला के लिए अपमानजनक टिप्पणी एक सभ्य, सुसंस्कृत समाज में हर हाल में अस्वीकार्य है। वह महिला चाहे गृहिणी हो, दफ्तर जाती हो, राजनीति से या किसी भी अन्य क्षेत्र से जुड़ी हो, किसी भी वजह से अगर वैचारिक या किसी अन्य किस्म के मतभेद हों, तब भी उसका अपमान करना गलत है। महिला का सम्मान हर स्थिति में बना रहे, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस लिहाज से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने सराहनीय काम किया है कि अपनी पार्टी के नेता को निष्कासित किया और उस पर कानूनी कार्रवाई में कोई अड़चन नहीं डाली। अन्यथा हाल-फिलहाल में ऐसे कई मामले देखे गए हैं, जब महिला उत्पीड़न का आरोपी रसूखदार और सत्तारुढ़ दल से संबद्ध हो, तो किस तरह उसे बचाने के सारे हथकंडे अपनाए जाते हैं। खुशबू सुंदर ने स्टालिन से जो सवाल किया था कि क्या वे अपने परिवार की महिलाओं के लिए ऐसे बयान को स्वीकार करेंगे, तो इसका जवाब उन्होंने बखूबी दे दिया कि परिवार ही नहीं, वे विरोधी दल की नेता के अपमान को भी स्वीकार नहीं कर रहे हैं। आज की राजनीति में ऐसी मिसाल कहां देखने मिलती है। खुशबू को ऐसे ही सवाल महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न की शिकायत और भाजपा सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग पर राष्ट्रीय महिला आयोग का सदस्य होने और एक महिला होने के नाते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी कर ही लेना चाहिए। अगर वे बाकई महिलाओं का अपमान करने वाले पुरुषों को सबक सिखाने का इरादा रखती हैं, तो फिर ऐसा सवाल उन्हें भाजपा नेताओं से करने में कोई हर्ज नहीं होना चाहिए। क्योंकि ऐसा तो नहीं है कि पार्टी के साथ-साथ महिलाओं की इज्जत का पैमाना भी बदल जाता है।

कांग्रेस की विधवा, जर्सी गाय, शूर्पणखा जैसी हंसी, दीदी ओ दीदी, 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड जैसे तमाम बयान भी महिलाओं के अपमान की नीयत से ही दिए गए हैं। इनमें से एक भी कटाक्ष हास्य बोध को नहीं दिखा रहा, विशुद्ध तौर पर इसमें उन महिलाओं के अपमान किया जा रहा है, जिनसे राजनैतिक प्रतिद्वंद्विता है। उम्मीद है जब खुशबू सुंदर नारी अस्मिता की अपनी लड़ाई जारी रखेंगी, तो अतीत में दिए गए इन बयानों का संज्ञान भी वे अवश्य लेंगी। एम.के.स्टालिन के शासनकाल में पहली बार किसी नेता की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पिछले सप्ताह ही भाजपा के प्रदेश सचिव एस. जी. सूर्या को एक पोस्ट के कारण गिरफ्तार किया गया था। सूर्या ने यह पोस्ट एक सफाई कर्मचारी की मौत पर की थी, जिसके बाद माकपा की ओर से की गई शिकायत के आधार पर उन्हें गिरफ्तार किया गया था। इस गिरफ्तारी पर भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने टिप्पणी की थी कि, श्श्मुख्यमंत्री स्टालिन यह साबित करने के लिए बेताब हैं कि उनका नाम पूर्व सोवियत तानाशाह जोसेफ स्टालिन से बहुत मिलता-जुलता है, जिनके लिए लोगों की स्वतंत्रता और उनके अधिकार मायने नहीं रखते थे और वह उन्हें जेल में डालते थे। सोवियत रूस के तानाशाह और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री में नाम के अलावा कोई समानता नहीं है, क्योंकि डीएमके निरंकुशता के दम पर तमिलनाडु में शासन नहीं कर रही है, वहां की जनता ने उसे सत्ता सौंपी है। और जहां तक सवाल व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी का है, तो इस बारे में भाजपा सरकार खुद कई बार सवालों के कटघरे में आ चुकी है कि यहां सरकार की आलोचना करने वालों को देशविरोधी मानकर प्रताड़ित किया जाता है। कितने पत्रकार, बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता सरकार के विरोध का भुगतान अपनी आजादी खोकर कर रहे हैं। अच्छी बात है कि भाजपा नेताओं को महिला सम्मान, अभिव्यक्ति की आजादी, स्वतंत्रता आदि की परवाह है। लेकिन इसके लिए पैमाने समान होने चाहिए। ये मूल्य राजनैतिक सुविधा के हिसाब से घटाए या बढ़ाए नहीं जा सकते।

एकम् सनातन भारत दल ने की आंदोलन की घोषणा

मंदिरों को सरकारी कब्जे से मुक्त करे सरकार : अंकुर शर्मा

नई दिल्ली। मंदिर और मठों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त किए जाने की मांग हिंदू समाज द्वारा काफी समय की जा रही है लेकिन अब इस मांग को और तेज व मजबूती से आमजन तक पहुंचाने के लिए एकम् सनातन भारत दल के हजारों कार्यकताओं ने 19 जून को सुबह 12 बजे से शाम 5 बजे तक दिल्ली के जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में माता वैष्णो देवी से जुड़े बारीदार समुदाय के साथ विभिन्न संप्रदायों के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया।

इस अवसर पर एकम् सनातन भारत दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट अंकुर शर्मा ने कहा कि मंदिर और मठों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करवाने हेतु एकम् सनातन भारत दल के कार्यकताओं द्वारा पूरे देश में आंदोलन का संचालन किया जाएगा। जब मस्जिद और चर्च पर सरकार का नियंत्रण नहीं है तो फिर सरकार हिंदू मंदिर पर नियंत्रण का जिद क्यों पाले हुए है? यह संविधान में वर्णित समानता के सिद्धांत के भी विरुद्ध है। स्वतंत्रता के बाद से ही हिंदू समाज के साथ दोयम दर्जे का बर्ताव किया जा रहा है, जो अक्षम्य है।

अंकुर शर्मा ने कहा कि हिंदुओं को संवैधानिक अधिकार दिलाने के उद्देश्य से ही एकम् सनातन भारत दल का गठन किया गया है। हमारे सप्त-संकल्प में यह साफ-साफ स्पष्ट कर दिया गया है कि अब हिंदुओं के साथ कोई भी भेदभाव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एडवोकेट अंकुर शर्मा ने कहा, अंग्रेजों के बनाए कानून को स्वतंत्रता के बाद से ही सभी सरकारों ने न केवल और भी अधिक मजबूत किया, बल्कि इसमें उत्तरोत्तर वृद्धि ही की है। खुद को हिंदूवादी कहने वाली भाजपा सरकार ने भी उत्तराखंड के चार धामों पर नियंत्रण कर यह साबित किया है कि वह हिंदुओं के मंदिरों-मठों को लूटने में अंग्रेजों और कांग्रेस के ही राह पर चल रही है। दरअसल मंदिर के संचालनों के नाम पर सरकारों ने मंदिर पर कब्जा किया हुआ है।

इस अवसर पर एकम् सनातन भारत दल के राष्ट्रीय महासचिव संदीप देव ने कहा कि भारत के अधिकतर बड़े मंदिरों का संचालन आज विभिन्न सरकारों की ओर से किया जाता है। भारत के करीब 4 लाख मंदिरों पर सरकारों का कब्जा है। इससे होने वाली आय पर भी सरकार का अधिकार है। यह पूरी तरह से अनैतिक, अनुचित और असंवैधानिक है। संदीप देव के अनुसार, देश में किसी भी मस्जिद और चर्च के संचालन में सरकार की कोई भूमिका नहीं है फिर मंदिर ही सरकार के कब्जें में क्यों रहें? यह बहुत बड़ा प्रश्न है और अब समय आ गया है कि मंदिरों और मठों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराया जाए।

गौरतलब है कि मद्रास हाई कोर्ट ने भी अपने एक आदेश में कहा था कि सरकार मंदिरों के हितों की अनदेखी कर उनकी जमीन का उपयोग नहीं कर सकती। यही नहीं, वर्ष 2019 में सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन न्यायाधीश जस्टिस एसए बोबडे ने पुरी के जगन्नाथ मंदिर मामले में कहा था कि मैं नहीं समझ पाता कि सरकारी अफसरों को क्यों मंदिर का संचालन करना चाहिए? उन्होंने अपनी टिप्पणी में तमिलनाडु का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकारी नियंत्रण के दौरान वहां अनमोल मूर्तियों की चोरी की अनेक घटनाएं होती रही हैं। जस्टिस बोबडे ने तब साफ कहा था कि ऐसी स्थितियों का असली कारण है भक्तों के पास अपने मंदिरों के संचालन का अधिकार न होना।

इससे पूर्व भी सर्वोच्च न्यायालय ने सन 2014 में तमिलनाडु के प्रसिद्ध नटराज मंदिर को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने का आदेश दिया था।

ज्ञात हो कि भारत में मस्जिद, दरगाह और चर्च पर कोई सरकारी नियंत्रण नहीं है लेकिन मठों मंदिरों पर सरकार का नियंत्रण है। यह भेदभाव अब खत्म होना चाहिए।

पार्टी के राष्ट्रीय सचिव कमल रावत ने कहा कि धर्मनिरपेक्ष देश में जब संविधान किसी भी तरह के धार्मिक भेदभाव की मनाही करता है तब पूजा स्थलों के प्रबंधन को लेकर भेदभाव क्यों है?

ध्यान देने वाली बात यह है कि एक तरफ जहां चर्च की संपत्ति का हक कैथोलिक चर्च को है। इसके ट्रस्ट व बोर्ड के सदस्य भी केवल ईसाई होते हैं। यहां रोजगार केवल ईसाईयों को मिलता है। इनकम टैक्स माफ है। पैसे का इस्तेमाल धर्म परिवर्तन और कॉन्वेंट स्कूल चलाने में होता है। वहीं दूसरी ओर मस्जिद की बात करें तो संपत्ति का हक मुस्लिम वक्फ बोर्ड के पास है। ट्रस्ट व बोर्ड के सदस्य केवल मुस्लिम होंगे। रोजगार भी केवल मुसलमानों को मिलेगा। इनकम टैक्स भी माफ है। लेकिन मंदिर की स्थिति पर नज़र डाली जाए तो संपत्ति का हक राज्य सरकारों के पास। ट्रस्ट व बोर्ड का सदस्य गैर हिंदू भी हो सकता है। यहां रोजगार भी सभी धर्मों के लोगों के लिए है। इनकम टैक्ट भी मंदिर से वसूला जाता है और मंदिरों में हिंदुओं के चढाए पैसों का इस्तेमाल मस्जिद, मदरसे चलाने और चर्च को अनुदान देने तक के लिए किया जाता है। इस अन्याय पूर्ण नियम को बदलने के लिए ही एकम् सनातन भारत दल न केवल आंदोलन की राह पर उतरा है, बल्कि चुनावी राजनीति में उतर कर वह इस अन्यायपूर्ण व्यवस्था को बदलना चाहता है।

एकम सनातन भारत दल के उत्तर परदेश संयोजक विंग कमांडर पुष्कल द्विवेदी ने कहा की हिंदू सदा से याचक की भूमिका में रहता है और सत्ता उसे अपने हिसाब से भ्रमित करती रहती है। अब हिंदुओं को एकम सनातन भारत दल के रूप में एक पूर्ण सनातनी राजनीतिक मंच मिल चुका है। अयोध्या, काशी और मथुरा उत्तर प्रदेश में भले ही स्थित हों लेकिन सम्पूर्ण विश्व के स्नातनियों की आस्था के केंद्र हैं। विंग कमांडर पुष्कल द्विवेदी ने इस सरकार को चेतावनी देते हुए कहा की निर्माणाधीन अयोध्या का श्रीराम मंदिर किसी भी प्रकार के सरकारी नियंत्रण से मुक्त होना चाहिए वरना आगामी चुनाव में हिंदू अपनी शक्ति दिखाकर छद्म हिंदू सरकार को हाशिए पे ला देंगे। देश भर में लाखों मंदिर हैं जो मुक्त नहीं हैं और हिंदुओं के अपने सांस्कृतिक धार्मिक की। भूमिका इसीलिए नहीं निभा पा रहे हैं। उन्होंने कहां की यदि मंदिर मुक्त होंगे तो मंदिर स्वयं सनातनियों के लिए अच्छी विज्ञानपरक शिक्षा व्यवस्था काम खर्च में भी कर देंगे जिससे हिंदुओं पर बढ़ता महंगाई का बोझ कम होगा और रोजगार भी सृजित होगा। इससे हिंदू परिवार और वंश वृद्धि में बढ़ोत्तरी करने में आ रही आर्थिक समस्याओं का भी कुछ हल होगा।

जंतर मंतर पर आयोजित इस आंदोलन में एकम् सनातन भारत दल के सभी राज्यों से आए प्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। कार्यकर्ताओं ने यह संकल्प लिया कि जंतर-मंतर से निकल पर वो अपने-अपने राज्य में इस आंदोलन को ले जाऐंगे और इसे और तेज करेंगे।

पर्यावरण और लोक दायित्व

देखो गर्मी से से व्याकुल धरती,
नभ भी कितना आहत है।
इंसानो ने प्रकृति को नोंचा,
यह जगत बड़ा संतापित है ।

कब, क्यूँ, कैसे ? यह मत पूछो
कुआँ-बावड़ी नदियाँ - नहरों से।
ऊष्मीकरण से सिकुड़ रहे सब
और प्रदूषित नालों के जालों से।

अब भी समय बचा है जागो,
हे मानव तू सोच जरा।
शीतल जल औ हवा हो ठंढी,
मानवता पर कर उपकार जरा।

लोक दायित्व निभायें हम सब
अपनी संस्कृति की करें सुरक्षा।
लोक-चौपाल सजा गीतों से
इस एक कदम की है अपेक्षा।

(18 जून 2023 को लोक चौपाल में प्रस्तुत)

-अर्चना गुप्ता, लखनऊ

गर्मी आई!

मई,जून का आया है महीना,
संग में अपने गर्मी को लाया।
सूरज ने भी चमक दिखाकर,
हम सब को है तड़पाया।
नदियां सारी सूख रहीं
ताल तलैया नहीं बचे हैं।
पेड़ रोज ही काटे जाते,
कंक्रीट के महल बनाते।
पशु पक्षी हैं छांव खोजते,
कहीं नहीं आसरा हैं पाते।
आसमान से आग बरसती,
धरती गर्मी से है तड़पती।
आओ मिलकर पेड़ लगायें,
हरियाली लाकर गर्मी से
चलो दुनिया को बचाएं।

-स्वरा त्रिपाठी, कक्षा-5
लामार्टीनियर गर्ल्स कॉलेज, लखनऊ

पर्यावरण के लिए सजग हो हर नागरिक : डा. अनिल गुप्ता

गोमती तीरे सजी लोक चौपाल

लखनऊ। लोक संस्कृति शोध संस्थान द्वारा आयोजित लोक चौपाल में ग्लोबल वार्मिंग पर चिन्ता व्यक्त की गयी। गत 18 जून को गोमती तट स्थित लल्लूमल घाट धर्मशाला परिसर में आयोजित चौपाल में भूमण्डलीय ऊष्मीकरण के दौर में लोक दायित्व विषय पर चर्चा हुई। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म आदिपुरुष के कथानक और संवादों पर बातचीत हुई वहीं गीत-संगीत के साथ आम की दावत में भी लोग शामिल हुए। चौपाल चौधरी का दायित्व इस बार वरिष्ठ लोकगायिका विमल पंत ने निभाया।

एचएएल से सेवानिवृत वरिष्ठ समाजसेवी डा. अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि समय आ चुका है कि मानव जाति इस ओर ध्यान दे। विषय को गंभीरता से ले और पर्यावरण संरक्षण के लिए सजग हो। ग्लोबल वार्मिंग से विभिन्न क्षेत्रों के मौसम में भारी बदलाव होने लगा है। भयंकर गर्मी पड़ना, बर्फ पिघलना, तेज़ गति का तूफ़ान, तीव्र चक्रवात, सुनामी, सूखा, बेमौसम बरसात, बाढ़, भूस्खलन, भोजन की कमी, महामारी रोग, आदि सब ग्लोबल वार्मिंग का ही परिणाम है। प्रकृति के घटना चक्र में असंतुलन मानव के अस्तित्व पर संकट का सूचक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने स्तर पर कार्य करने की जरुरत है जिससे ग्लोबल वार्मिंग के दुष्परिणामों पर क़ाबू पाया जा सके। वायु मंडल में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने और प्रकृति के संतुलन के लिए जनसंख्या वृद्धि पर रोक और वृक्षारोपण किया जाना जरुरी है।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान की सचिव सुधा द्विवेदी ने विषय प्रवर्तन के साथ किया। कवयित्री एवं लोक गायिका अर्चना गुप्ता, रेखा अग्रवाल आदि ने भी अपने विचार रखे।

स्मिता पाण्डेय ने आदिपुरुष फिल्म के कथानक को तथ्यों के साथ छेड़छाड़ करने वाला तथा संवादों को बेहद आपत्तिजनक करार दिया गया। कार्यक्रम में मनमोहक गीत-संगीत और नृत्य भी हुए। अर्चना गुप्ता ने जंगल में मंगल मना लो हरे भरे बिरवा मंगा लो, रश्मि उपाध्याय ने भर लाई गगरिया मैं राम रस की, सौम्या गोयल ने चुनरिया सतरंग बरसे लागी सुनाया। अंतरा भट्टाचार्य के निर्देशन में अविका, मीहिका, शिखा, आद्रिका, सुमन, नेहा, सौम्या, स्नेहा, अमेया और सोनिया ने समवेत स्वर में मांझी गीत मांझी रे पतवार संभालो गाया। स्नेहा प्रजापति ने घनन घनन घिर आये बदरा पर नृत्य किया। लोक गायिका प्रियंका दीक्षित, भजन गायक राजेन्द्र त्रिपाठी, लोक गायक एस. पी. साहू, दिलीप श्रीवास्तव, भूषण अग्रवाल ने भी प्रस्तुति दी। लल्लूमल घाट धर्मशाला ट्रस्ट की ओर से श्रीमती सुनीता गुप्ता ने सभी का स्वागत किया।

इस अवसर पर सर्वश्री शरद गुप्ता, निवेदिता भट्टाचार्य, धर्मेन्द्र सिंह, आशुतोष गुप्ता, मीनाक्षी भूषण अग्रवाल, सोनल ठाकुर, नितिन अग्रवाल, अभिषेक सिंह, मयंक गांगुली, अखिलेश त्रिवेदी शाश्वत, डा. एस.के.गोपाल आदि की प्रमुख उपस्थिति रही।

पार्वती परिणय

वाहन अनेक भाँति भाँति के सु-वेगवान,
मनहर वाद्ययंत्र ध्वनि अवदात है।
देव यक्ष किन्नर प्रचण्ड प्रेत हैं अनेक,
साज सजे ऋषि मुनि अग्र विप्रव्रात है।।
मुदित प्रजेश हैं रमेश अति ही प्रसन्न,
कूटवेष वर एक सर्प कण्ठ स्यात् है।
कर हैं रहीं असंख्य देवियाँ सु-दृष्टिपात,
ज्ञात हुवा भव्य भूतनाथ की बरात है।।1।।

वाद्ययंत्र विविध श्रवण प्रिय बाज रहे,
ध्वनि की तरंग अंतरिक्ष मध्य छा गई।
नृत्य गान रत जनगण मन मुग्ध मञ्जु,
हर्ष की हिलोर हर ओर है समा गई।।
वर असवार बैल पर चैल व्याघ्रचर्म,
निरख विचित्रता स्वयम् सकुचा गई।
देवहित काज वाह!करने विवाह आज,
शम्भु की बरात शैलराज द्वार आ गई।।2।।

मातु का दुलार प्यार तात का प्रभात छूट--
जायगा परेश की प्रिया का पितृ गाँव री।
खेलती सहेलियाँ रहीं जो साथ साथ,बाग--
औ तड़ाग;शैल की शिला की शीत छावँ री।।
ग्रंथि जोड़ दी गई महेश से मुहूर्त देख,
जीत शैलजा गई है आज जन्म दावँ री।
वेद विज्ञ पण्डितों ने मंत्र हैं पढ़े पुनीत,
शम्भु संग हो रहीं शिवा की भव्य भावँरी।।3।।

हो गये इकत्र सगे स्वजन सगोती सर्व,
मोह मग्न मयना उरस्थ धैर्य खोती है।
रोती कर याद है विछोह तनया का मातु,
अश्रुधार से सशोक अञ्चल भिगोती है।।
भावी परिदृश्य के पिरोती तन्तु भावभरी,
ढारती भवानी लोचनों से वारि मोती है।
जोड़ नया नाता मिली माता से सदु:ख सद्य,
छोड़ अम्ब क्रोड़ शैलजाता विदा होती है।4।।

अवढरदानी महादेव मिले पति रूप,
विश्व के नियंता यस्य अकथ कहानी है।
जगस्वामिनी के रहे इंगित विलोक सर्व-
गण;गुणगान में शिवा के व्यस्त बानी है।।
ताने छत्र इंद्र नित्य चवँर डुलाता वायु,
वरुण पिलाता स्वयमेव जिन्हें पानी है।
खेलती रही जो गुड़ियों के खेल शैल गेह,
भव की भवानी आज त्रिभुवन रानी है।।5।।

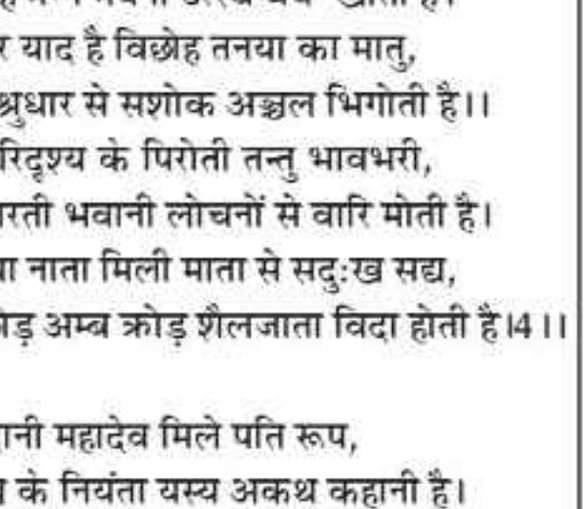

रघोत्तम शुक्ल

लू लगने से एक बच्चे समेत दो की मौत, सांस लेने में हो रही रोगियों को दिक्कत

कानपुर (यूएनएस)। कानपुर में गर्मी का कहर जारी है। लू लगने से रोगियों की तबीयत बिगड़ रही है। खासतौर पर उन लोगों को अधिक तकलीफ हो रही है, जो पहले से किसी रोग की गिरफ्त में हैं। रविवार को एक बच्चे समेत दो की मौत हो गई। इसके साथ ही हैलट इमरजेंसी, उर्सला और निजी अस्पतालों में रोगी भर्ती हुए हैं। हैलट में छह रोगी बेहोशी की हालत में लाए गए। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के सीनियर फिजीशियन डॉ. जेएस कुशवाहा का कहना है कि डायबिटीज, लिवर, सांस तंत्र और गुर्दा के रोगियों को लू जल्दी लग जा रही है। उनके शरीर में कमजोरी होती है, जिससे वे गर्मी का स्ट्रेस बर्दाश्त नहीं कर पाते।

आजादनगर के रहने वाले आलोक कुमार (65) की लू लगने के बाद मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि आलोक अस्थमा के रोगी रहे हैं। दोपहर बाहर से आए और पानी पीया। इसके बाद वहीं गिर गए। उन्हें कल्याणपुर के अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। इसी तरह रामादेवी के रहने वाले रघु के डेढ़ साल के दो साल के बच्चे की मौत हो गई। बुखार के साथ उसे दस्त आ रहे थे। रघु ने बताया कि क्षेत्र के नर्सिंगहोम दिखाने गए, वहां से हैलट भेज दिया। अस्पताल पहुंचने के पहले ही बच्चे ने दम तोड़ दिया। हैलट इमरजेंसी में रविवार सुबह आठ बजे से रात आठ बजे 68 रोगी भर्ती किए गए। इनमें लू लगने से लिवर और गुर्दा फेल के रोगी रहे हैं। डॉ. कुशवाहा ने बताया कि कोमॉर्बिड रोगियों को लू जल्दी लग जाती है। इससे एहतियात बरतें।

गर्मी में गर्भपात के मामले बढ़े हैं। जच्चा-जच्चा-बच्चा अस्पताल में रोगियों की संख्या बढ़ गई है। स्त्री रोग विभाग की प्रोफेसर डॉ. सीमा द्विवेदी ने बताया कि लू लगने के बाद डायरिया, उल्टी होने लगती है।

किरदार का करिश्मा: कप्तान का कमाल

ब्रजलाल से संजय कुमार वर्मा तक

किरदार के करिश्मों के अनेक उदाहरण हम सभी जानते होंगे। मनीषियों ने हमेशा यही सीख दी कि अपने किरदार को सदा ऊंचा ही रखना क्योंकि जीवन में रूपया पैसा धन दौलत पद रुतबा तो आसानी से हासिल किया जा सकता है, पर आपका किरदार समाज में आदर्श उदाहरण बने, यह सौभाग्य विरलों को ही हासिल हो पाता है। इसके लिए तिल तिल दूसरों की भलाई के लिए जीना पड़ता है। इतिहास साक्षी भी है कि समाज में उन लोगों को कभी आदर नहीं दिया गया, जिन्होंने केवल पैसा कमाया और केवल अपने तथा अपने परिवार की चिंता की। लेकिन जिन्होंने समाज की भलाई के लिए अपने को तपाया, उनकी पूजा हुई, वंदन और अभिनंदन हुआ चाहे वे सामाजिक कार्यकर्ता रहे हों, डॉक्टर रहे हों, वकील रहे हो, पत्रकार रहे हो, राजनेता रहे हों या अधिकारी।

इटावा में भी आजकल ऐसे ही एक कर्मठ पुलिस अधिकारी के किरदार की खूब वाहवाह हो रही है, जिनका नाम है संजय कुमार वर्मा जो वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के रूप में अपनी कर्तव्यनिष्ठा का कमाल दिखा रहे हैं और इटावा की कृतज्ञ जनता उनका बार बार अभिनंदन कर रही है।

चेहरा बदला तो चाल बदल गई

कानून के कोड़े से कांपने लगे क्रिमिनल

व्यक्तित्व का प्रभाव कितना असर डालता है, इसका प्रत्यक्ष प्रमाण भी आईपीएस अफसर संजय कुमार वर्मा के इटावा में चार्ज लेते ही जिले की पुलिस के चाल और चरित्र में आए बदलाव से समझा जा सकता है कि पुलिस तो वही है लेकिन सिर्फ़ एक चेहरा बदलने से ही पूरा परिदृश्य बदल गया। अभी कुछ माह पहले तक यही इटावा की पुलिस, लगता ही नहीं था कि जनता की भलाई और उसकी सुरक्षा केलिए है, बल्कि ऐसा लगता था कि जैसे अपराधियों की संरक्षक हो गई हो। दबंगों और बदमाशों से पीड़ित लोग अगर शिकायत करने थाने पहुंच गए तो यही पुलिस उनका और दोहन व उत्पीड़न करके उन पर जुल्म ज्यादती करती थी, लेकिन संजय कुमार वर्मा के इटावा में एसएसपी का चार्ज संभालते ही यही पुलिस अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद दिखाई देने लगी है और अपराधियों में कानून के डंडे का ऐसा खौफ दिखाई देने लगा है कि घटना हुई नहीं और पैनी नजर के कप्तान ने अपराधियों पर तत्काल कड़ा शिकंजा कस दिया। संगीन से संगीन वारदातों का भी कप्तान संजय वर्मा ने पलक झपकते ही जैसे खुलासा कर दिखाया।

अगर पिछले तीस पैंतीस सालों में आए कप्तानों के कार्यकाल पर नजर डालें तो ब्रज लाल, एसएन सिंह, जंगी सिंह, सूर्य कुमार शुक्ला, जीके गोस्वामी, दलजीत सिंह, वैभव कृष्ण, मंजिल सैनी के बाद अब संजय कुमार वर्मा ने आकर इटावा में पुलिस का जिस तरह इकबाल बुलंद किया है और पुलिस जनता की मदद केलिए है, इस कहावत को चरितार्थ किया है, उसे देखकर इटावा जिले की जनता बहुत सुकून महसूस कर रही है। कप्तान संजय वर्मा ने अपराधियों ही नहीं, पुलिस कर्मियों पर भी कड़ा शिकंजा कसा है। अगर गलती की और अपराधियों से सांठगांठ रखी या उन्हें बचाने की कोशिश की तो तुरंत सस्पेंड कर दिए जाओगे। या लाइन हाजिर होगे। बड़े बड़े शातिर अपराधी कानून के पंजे जकड़ लिए गए हैं जिससे जरायमपेशा बदमाशों की फूंक निकल गई है क्योंकि कप्तान संजय वर्मा के रहते अब पुलिस उनकी मददगार नहीं हो पाएगी।

ऐसा नहीं कि पहले अपराधी नहीं पकड़े जाते थे, लेकिन तब उनसे पुलिस का ‘सौदा’ तय हो जाता था, जिससे वे कानूनी पकड़ से आसानी से बच निकल जाते थे। कप्तान संजय वर्मा ने भी जैसे बड़े बड़े खुलासे किए और करोड़ों रुपए की शराब आदि पकड़ी, उनमें वे चाहते तो लंबे बारे के न्यारे कर सकते थे, लेकिन कर्तव्यनिष्ठ कप्तान ने अपनी कर्मठता के कौशल से इटावा पुलिस की शान में चार चांद लगाए, जिसकी शासन स्तर और उच्च अधिकारियों से भी खूब सराहना मिली है।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं एसएसपी संजय वर्मा

ऐसा अक्सर देखा गया है कि साहित्य संगीत और कला से जुड़ा व्यक्ति सामाजिक सरोकारों के प्रति बहुत ही संवेदनशील एवं स्वभावतया उदार व उपकारी भाव रखने वाला होता है। वह हमेशा दूसरों के लिए अच्छा करने का भाव रखता है। इटावा के लिए ये सौभाग्य की बात है कि बहुत अरसे बाद इस इष्टिकापुरी की धरती पर एक ऐसे सहृदय पुलिस कप्तान का आगमन हुआ है, जिसके जीवन में श्रीराम चरित मानस की आदर्श आचार संहिता का मार्गदर्शन है और जिसे साहित्य से भी बहुत लगाव रहा है और जिसकी पारवारिक शैक्षिक पृष्ठभूमि भी बहुत उत्कृष्ट एवं उदाहरणीय है। जिसमें इतने गुण हों, उसका किरदार प्रशंसनीय और दूसरों के लिए प्रेरक तो होगा ही। उनकी धर्मपत्नी श्रीमती नीलम राय भी एक विदुषी महिला हैं, जो धर्म, संस्कृति, साहित्य और शैक्षिक रूप से इतनी ज्ञानवान हैं कि यदि कभी आपको उन्हें सुनने का मौका मिला तो आप भगवदगीता, महाभारत और दिनकर कृत रश्मिरथी के कंठस्थ श्लोक व छंद सुनकर दंग रह जायेंगे।

प्रेरक व्यक्तित्व के धनी ये दंपति जब तक जनपद की सेवा में रहेंगे, समझना तब तक इटावा का विशेष सौभाग्य जाग्रत है।

डीपीएस की श्रंगारिका गुप्ता ने प्रथम प्रयास में ही पाई कैट परीक्षा में सफलता

इटावा।दिल्ली पब्लिक स्कूल की छात्रा श्रंगारिका गुप्ता ने प्रथम प्रयास में ही देश की प्रतिष्ठित कैट परीक्षा में सफलता प्राप्त कर जनपद और अपने विद्यालय का मान बढ़या है।कैट परीक्षा में उसने 99.82 परसेंटाइल हासिल किया है।वह कहती है कि उसने फरवरी 2022 से ही इस परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी थी।कटरा फतेह महमूद खान की निवासी श्रंगारिका के पिता विजय भान गुप्ता एवं माता गीता गुप्ता दोनों ही व्यवसायी हैं।उन्होंने कहा कि उसे किताबे पढ़ना मूवी देखना और घूमना बेहद पसंद है।अब कैट परीक्षा में सफल होने के उपरांत उसे देश के सभी बड़े आई.आई.एम. से प्रवेश के लिए काल आ रही है। श्रंगालिका को भारत सरकार द्वारा स्वीकृत राष्ट्रीय इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क मे सर्वोच्च स्थान रखने वाले मैनेजमेंट कॉलेज आई. आई.एम.अहमदाबाद,कोलकाता, लखनऊ, इंदौर एवं कोझिकोड से एडमिशन का आमंत्रण प्राप्त हुआ है जिसके पश्चात श्रंगारिका ने आई.आई.एम.अहमदाबाद से एमबीए करने का फैसला लिया है।उसकी इस बड़ी सफलता में परिवार के सदस्यों और उसके करीबी दोस्तों का महत्वपूर्ण योगदान है जिनके सहयोग के बिना इतनी बड़ी सफलता पाना मुमकिन नहीं था। श्रंगारिका ने बताया कि उसने नोएडा में नोकिया कंपनी में कार्यरत रहते हुए ही कैट एग्जाम की तैयारी शुरू कर दी थी।सुबह ऑफिस जाने से पहले 2 घंटे और शाम में लौटकर 2-3 घंटे रोजाना लगातार पढ़ाई की,शनिवार एवं रविवार को 7-8 घंटे पढ़ाई करती थी।श्रंगारिका अपनी सफलता का श्रेय भगवान,माता पिता,शिक्षक, बहनें और दोस्तों को देती है।वे जब भी हताश या परेशान होती थी तो स्कूल के सभी शिक्षकों ने उनकी खूब हौसलाफजाई की। विदित हो कि श्रंगारिका ने वर्ष 2016 में डीपीएस इटावा से 12वीं में विज्ञान वर्ग में जिले में पहला स्थान भी प्राप्त किया था। वर्ष 2021 में उन्होंने एन.आई.टी. सूरत से द्वितीय स्थान के साथ बीटेक की डिग्री हासिल की है।

चोरी की घटनाओं का खुलासा किए जाने पर व्यापार मंडल ने किया एसएसपी को सम्मानित

इटावा। पुलिस लाइन स्थित नवीन सभागार में वरिष्ठ व्यापारी नेता राम शरण गुप्ता अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला महामंत्री धर्मेंद्र जैन,जिला प्रवक्ता इकरार अहमद,जिला उपाध्यक्ष लल्लू वारसी,युवा जिला महामंत्री रंजीत सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में व्यापारियों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार,सीओ सिटी अमित कुमार सिंह,शहर कोतवाल विक्रम सिंह चौहान व सर्विलांस टीम,एसओजी टीम,कोतवाली टीम,थाना इकदिल सहित अधिकारियों को फूल माला,पट्टा व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

व्यापार मंडल के जिला महामंत्री धर्मेंद्र कुमार जैन ने कहा कि विगत दिनों में व्यापारियों के यहाँ हुई चोरी की बड़ी घटनाओं का पुलिस प्रशासन के द्वारा खुलासा किया गया है इसको लेकर व्यापार मंडल के लोगों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर वैश्य एकता परिषद के जिला अध्यक्ष हरिओम गुप्ता,अजय गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

विभागीय अधिकारी शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें–डीएम

समाधान दिवस में आए 37 प्रार्थना पत्रों में से 2 का मौके पर हुआ निस्तारण

इटावा। जिलाधिकारी अवनीश राय की अध्यक्षता में तहसील चकरनगर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।जिलाधिकारी ने प्राप्त शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।उन्होंने कहा कि अधिकारीगण सम्बंधित कर्मचारियों के साथ मौके पर जाकर शिकायतकर्ता का पक्ष सुनते हुए उसका निस्तारण करना सुनिश्चित करें।सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रकरणों की गंभीरता से जांच की जाये साथ ही जबाबदेह लोगों के विरूद्ध कार्यवाही की जाये।उन्होंने कहा कि जब भी अधिकारीगण भ्रमण पर जायें अपने विभाग से संबंधित योजनाओं का मौके पर सत्यापन करें तथा लाभार्थियों का फीडबैक भी लें।

तहसील चकरनगर में विभिन्न संदर्भों से संबंधित कुल 37 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये, जिसमें से 02 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारित कर शेष प्रार्थना पत्रों को सम्बंधित अधिकारियों को हस्तांतरित करते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये।उन्होने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि एक सप्ताह से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निस्तारण में विलम्ब के कारण का भी उल्लेख किया जाये, साथ ही सभी प्रकरणों को अनिवार्य रूप से एक सप्ताह के भीतर निस्तारित करा दिया जाये। संपूर्ण समाधान दिवस में कृपाशंकर पुत्र दयाराम ग्राम लीटेपुर ग्राम पंचायत पुरावली तहसील चकरनगर ने शिकायत की प्रार्थी के घर के पास से एक सार्वजनिक नाली गुजरती है जो कि आगे चलकर बंद है जिसका पानी आगे न जाकर प्रार्थी के घर के आस-पास भर जाता है जिससे प्रार्थी के घर गिरने का खतरा है ,जिस पर जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को जांच कर आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए।प्रार्थी हरगोविंद पुत्र श्याम सिंह निवासी फूटाताल थाना चकरनगर ने शिकायत की प्रार्थी की जमीन पर विपक्षी बाबूराम उर्फ छतर यादव पुत्र मान सिंह यादव व संजय यादव पुत्र बाबूराम प्रार्थी की जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया है, जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी एवं सीओ को जांच कर प्रार्थी को कब्जा दिलाये जाने के निर्देश दिए।

संपूर्ण समाधान दिवस में अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस विभाग से संबंधित मामलों की सुनवाई की। उन्होंने थानाध्यक्षों को निर्देश दिये कि प्रत्येक मामले में मौके पर जाकर कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस में जन सुनवाई के दौरान समस्याएं प्राप्त होती है उनका निस्तारण शासन स्तर से समस्याओं के निस्तारण के संबंध में समस्या ग्रस्त व्यक्ति से फीडबैक भी लिया जा रहा है,इसको ध्यान में रखते हुए निस्तारण गुणवत्तापूर्ण कराया जाए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी प्रणता ऐश्वर्या,मुख्य चिकित्साधिकारी गीताराम,निदेशक सामाजिक वानिकीय अतुल कांत शुक्ला,उप जिलाधिकारी मलखान सिंह, क्षेत्राधिकारी,तहसीलदार, लेखपाल सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दूसरों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनीं बी.के. रेशम

बहन को 24वें स्मृति दिवस पर किया याद

इटावा। मानवीय मूल्यों को अपने में समाहित कर दूसरों की प्रेरणा स्त्रोत बनने वाली ब्रम्हाकुमारी रेशम बहन जी को आज उनके 24वें स्मृति दिवस पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की सिविल लाइन शाखा पर तहेदिल से याद किया गया।उनकी स्मृति में केंद्र पर प्रातः योग एवं स्नेह मिलन का कार्यक्रम रखा गया।जिसमें मुख्यालय माउंट आबू से पधारे बी.के.प्रेम भाई तथा बी.के.राजेश भाई ने भाग लिया।सभी ने पुष्प अर्पित कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

बी.के.प्रीति बहन ने उनकी विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वह बाल्यकाल से ही प्रभु प्रेमी रही उनका ममतामई आकर्षक व्यक्तित्व अनेक व्यक्तियों की जीवनधारा बदलने में सफल हुआ।उनका मानना था कि मोमबत्ती की भांति खुद जलकर भी दूसरों का मार्ग प्रशस्त करें।आप केवल आध्यात्मिक गुरु ही नहीं वरन उत्कृष्ट समाजसेविका भी थी और उनका यह संदेश था कि जो करना है अभी कर लो यह वक्त जा रहा है।

बी.के.रेशम बहन को नमन करते हुए केंद्र प्रभारी बीके नीलम ने कहा कि दुनिया से जाने वाले केवल अपने श्रेष्ठ कर्मों के पदचिन्ह ही मानव हृदय पर छोड़ जाते हैं, इसलिए हम सभी का यह कर्तव्य है कि वर्तमान में श्रेष्ठ कर्म करके भविष्य को सुधारें।हमारे जाने के बाद भी लोग हमारे द्वारा किए गए कार्यों से प्रेरणा लेकर लाभान्वित हो सके तभी हमारा जीवन सार्थक होगा।कार्यक्रम में नियमित सदस्यों के अलावा अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

व्यापार मंडल की बैठक में व्यापारियों की समस्याओं को लेकर चर्चा हुई

इटावा।उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष सर्वेश सिंह चौहान की उपस्थिति में व्यापार मंडल के प्रमुख पदाधिकारियों संग जिलाध्यक्ष आलोक दीक्षित की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन हुआ।बैठक में व्यापारियों की समस्याओं के संबंध में आगामी योजनाओं की रणनीति बनाई गयीं। प्रदेश उपाध्यक्ष सर्वेश सिंह चौहान ने कहा कि आनलाइन व्यापार ने छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ दी है,आज जीएसटी,खाद्य विभाग, बिजली विभाग के मनमाने रवैये से व्यापारी त्रस्त है,व्यापार में सरलीकरण के बजाए इतनी पेचीदगियां बड़ा दी गयीं हैं कि पड़े लिखे व्यक्ति के लिए भी व्यापार करना मुश्किल है। जिलाध्यक्ष आलोक दीक्षित ने कहा कि खाद्य विभाग में आये व्यापारी विरोधी नियमों के खिलाफ पूरे प्रदेश के व्यापारी परेशान हैं और जल्द ही प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर व्यापार मंडल इसके खिलाफ आन्दोलन की रूप रेखा बनायेगा। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष कामिल कुरैशी,जिला उपाध्यक्ष पावेन्द्र शर्मा,शेख आफताब,वीके यादव,उद्योग मंच के जिलाध्यक्ष भारतेन्द्र भारद्वाज ने भी अपने विचार रक्खे।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री रिषी पोरवाल ने किया।बैठक में जिला उपाध्यक्ष अशोक जाटव,आलोक गुप्ता,अभय टंडन,सरदार मनदीप सिंह,जे.के. गुप्ता,अंकित यादव,रमेश वर्मा, लखन सोनी,डी एस चौहान,रफत अली,बल्लू,आशीष भदौरिया,युवा जिलाध्यक्ष रियाज अब्बासी, महिला जिलाध्यक्ष अर्चना कुशवाहा,जिला सचिव सै.लकी, जैनुल आबदीन,योगेश पांडे,गामा आदि व्यापारी नेता उपस्थित रहे।

लखनऊ में फिल्म आदिपुरुष को लेकर प्रदर्शन

किसान और मुस्लिम नेता बोले, फिल्म को बैन किया जाए, आहत करने वाले हैं डायलॉग

लखनऊ (यूएनएस)। आदिपुरुष फिल्म को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। सोमवार को लखनऊ के हजरतगंज में किसान और मुस्लिम नेताओं ने फिल्म के डायलॉग को लेकर विरोध जताया और प्रदर्शन किया। किसान नेताओं ने सीएम को पत्र लिखकर फिल्म को बैन करने की मांग की है। वहीं लोगों ने आदिपुरुष फिल्म का पुतला फूंककर विरोध जताया। भाकियू के प्रदेश अध्यक्ष हरनाम सिंह ने कहा, आदिपुरुष फिल्म के लेखक मनोज मुंतशिर, निर्देशक ओम राउत ने सीधा रामायण पर आदिपुरुष नाम से फिल्म बना ली। इसके कई डायलॉग आपत्तिजनक हैं। मुख्यमंत्री के नाम लिखे पत्र में किसान नेताओं ने मांग की है कि देवी शक्ति और उनके संबंधित रचित हमारे ग्रंथो को पूर्ण सम्मान करता हूं। इसमें भगवान राम, भगवान बजरंगबली माता सीता व त्रेता युग के अन्य देवताओं का हृदय से सम्मान करता हूं। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी हरनाम सिंह ने कहा कि आदिपुरुष फिल्म के लेखक मनोज मुंतशिर निर्देशक ओम राउत मैं सीधा रामायण के ऊपर आदि पुरुष नाम से फिल्म बना रखा है प्रचलित किया जा रहा है। जिससे हम सभी हिंदू समाज के लोगों को भावात्मक रूप से जुड़ा रहा। इसका रिलीज होने का इंतजार करने लगे। फिल्म रिलीज होने के बाद जानकारी हुई इस तरीके के डायलॉग पूरी फिल्म में बोले गए है। जो आपत्तिजनक है। प्रदेश अध्यक्ष हरिनाम वर्मा ने मांग की है कि इस फिल्म पर रोक लगाया जाए और मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई भी की जाए। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने फिल्म का प्रदर्शन सभी सिनेमाघरों में तत्काल रोकने की मांग की। भाकियू (अराजनैतिक) के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी हरिनाम सिंह ने कहा कि रामायण हिंदू धर्म का सबसे आस्थापूर्ण ग्रंथ हैं, जिससे सभी की भावनाएं और आस्था जुड़ी हुई है। फिल्म के डायलॉग लेखक मनोज मुंतशिर शुक्ला और निर्देशक ओम राउत ने ये कहकर प्रचार किया कि वह रामायण पर फिल्म आदिपुरुष बना रहे हैं। चौधरी हरिनाम सिंह ने कहा कि फिल्म आदिपुरुष का सभी इंतजार कर रहे थे। लेकिन, रिलीज के बाद पता चला कि इसमें हमारे आराध्य भगवान राम, माता सीता और भगवान बजरंग बली को पूरी तरह से अपमानित किया गया है। इसके डायलॉग में बजरंग बली के मुख से निम्न स्तर की भाषा इस्तेमाल की गई है। इसके साथ ही उनको अपमानित किया गया है। उन्होंने सभी सिनेमाघरों में फिल्म का प्रदर्शन रोके जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं होता है तो भाकियू देश भर में प्रदर्शन को बाध्य होगा। आदिपुरुष के विरोध में भारतीय किसान यूनियन ने हजरतगंज कोतवाली में ज्ञापन भी दिया। इससे पहले सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने फिल्म को लेकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि आदिपुरुष फिल्म में रामायण के सभी पात्र जैसे मर्यादा पुरुषोत्तम राम, प्रकांड महारथी व विद्वान रावण, आज्ञाकारी भाई लक्ष्मण एवं आज्ञाकारी भक्त, सेवक व राजदूत हनुमान के माध्यम से मनोज मुंतशिर एवं ओ राऊत ने अमर्यादित स्तरहीन गुंडे, मवाली व टपोरियों की भाषा बोलवाकर उपहास उड़ाया है।उन्होंने कहा कि जिस तरह से मर्यादा गिराई गई है क्या इससे हिंदू धर्म के ठेकेदारों व सनातन धर्म का अपमान नहीं हुआ? यदि हुआ तो आतंकवादी भाषा बोलने साधु-संत व धर्म के ठेकेदार किस चूहे के बिल में घुस गए हैं, जो कल तक मेरी हत्या करने, धड़ से सिर अलग करने, तलवार से सिर काटने, जीभ काटने, नाक-कान व हाथ काटने के लिए उतावले हो गए थे। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की बोलती आज बंद क्यों है? इसलिए न की मनोज मुंतशिर और ओम राऊत ऊंची जाती के हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को फिल्म आदिपुरुष को लेकर लेकर कटाक्ष किया। अखिलेश ने कहा कि जो राजनीतिक आकाओं के पैसों से, एजेंडे वाली मनमानी फिल्में बनाकर लोगों की आस्था से खिलवाड़ कर रहे हैं, उनकी फिल्मों को सेंसरबोर्ड का प्रमाणपत्र देने से पहले, उनके राजनीतिक चरित्र का प्रमाणपत्र देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्या सेंसरबोर्ड धृतराष्ट्र बन गया है।

अस्पतालों में नहीं किया जाए बिजली की कटौती, मायावती ने की यूपी सरकार से अपील

लखनऊ (यूएनएस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने उत्तर प्रदेश सरकार से बिजली व्यवस्था को तत्काल सुधारने तथा अस्पतालों आदि में बिजली कटौती नहीं करने की सोमवार को अपील की। मायावती ने ट्वीट किया, ''उत्तर प्रदेश में पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी के बीच राजधानी लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में बिजली की जबरदस्त कमी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बलिया व अन्य जिलों से मौत की खबरें अति दुखद हैं। सरकार बिजली व्यवस्था तुरन्त सुधारे तथा अस्पतालों आदि में बिजली कटौती न करे। यूपी में पिछले कई दिनों से जारी भीषण गर्मी की आफ्त में राजधानी लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में बिजली की जबरदस्त कमी ने लोगों का जीवन त्रस्त कर रखा है, जिससे बलिया व अन्य जिलों से मौत की खबरें अति-दुःखद। सरकार बिजली व्यवस्था तुरन्त सुधारे तथा अस्पतालों आदि में बिजली कटौती न करे। बलिया जिले में भीषण गर्मी और लू के कहर के बीच पिछले कुछ दिनों में 57 लोगों की मौत हो गई है। गौरतलब हैं कि प्रदेश में बिजली व्यवस्था को लेकर शुक्रवार देर शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा एवं उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के अध्यक्ष एम देवराज को तलब कर नाराजगी जतायी थी। मुख्यमंत्री ने अघोषित बिजली कटौती पर नाराजगी जताते हुए प्रदेश में तत्काल विद्युत व्यवस्था में सुधार लाने के आदेश दिए। हाल में जारी एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने बिजली व्यवस्था को लेकर जो नीति घोषित की है उसे पूरी तत्परता से लागू किया जाए। बिजली नीति के अनुसार, जिला मुख्यालयों को 24 घंटे, तहसील मुख्यालय को 22 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे बिजली आपूर्ति की व्यवस्था है।

रोजगार और संचार कौशल में वृद्धि, संक्षिप्त विवरण लेखन और साक्षात्कार की तैयारी

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने डॉ. अर्चना शुक्ला, प्रमुख मनोविज्ञान विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ की देखरेख में एन्हांसिंग एंप्लॉयबिलिटी एंड कम्युनिकेशन स्किल्स रिज्यूमे राइटिंग एंड इंटरव्यू प्रिपरेशन पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम का फोकस रोजगार और संचार कौशल के व्यावहारिक पहलुओं को विकसित करना और समझना और फिर से शुरू करने और साक्षात्कार की तैयारी के बारे में अंतर्दृष्टि विकसित करना और जानकारी प्रदान करना था। सत्र के वक्ता कर्नल संजय त्रिपाठी, लाइफकोच और पूर्व सेना अधिकारी थे। उन्होंने रिज्यूमे और सीवी के बीच के अंतर की बुनियादी समझ के साथ सत्र की शुरुआत की। उन्होंने आगे पेशेवर क्षेत्र में फलने-फूलने के लिए आवश्यक कौशल पर प्रकाश डाला। उन्होंने रिज्यूमे लिखने के सही तरीके और रिज्यूमे लिखते समय याद रखने वाली महत्वपूर्ण बातों के बारे में भी बताया।उन्होंने आवश्यक संचार कौशल के साथ सत्र को आगे बढ़ाया। उन्होंने उदाहरण देकर समझाया कि संचार हमेशा कुरकुरा, स्पष्ट और पूर्ण होना चाहिए। सत्र के अंत में छात्रों ने अपने प्रश्न पूछे और कर्नल संजय त्रिपाठी से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

तकनीकी संवर्ग में रिक्त पदों को भरने की मांग

लखनऊ (यूएनएस)। युवा मंच प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य इ. राम बहादुर पटेल ने सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र प्रेषित कर तकनीकी संवर्ग में रिक्त पड़े तकरीबन एक लाख पदों पर तत्काल चयन प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। प्रेषित पत्र में जिक्र किया गया है कि मोटे तौर आकलन है कि तकनीकी संवर्ग में सृजित पदों के सापेक्ष तकरीबन एक लाख पद रिक्त हैं। इसमें विशेष तौर पर आईटीआई कॉलेज में आईटीआई अनुदेशकों की 70 फीसदी सीटें खाली हैं, इसी तरह रोडवेज, पुलिस, सिंचाई विभाग, विद्युत विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग एवं अन्य कई विभागों में तकनीकी संवर्ग की भारी संख्या में सीटें रिक्त हैं। इसके अलावा पालीटेक्निक व इंजीनियरिंग कॉलेज में भी शिक्षकों के पद रिक्त पड़े हुए हैं। स्थिति इतनी बुरी है कि रोजगार मेलों में बीटेक डिग्री पास युवा फिटर जैसे पदों पर 10-15 हजार वेतन की नौकरी पाने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। प्रदेश में आईटीआई, डिप्लोमा और बीटेक पास युवाओं की बहुत बड़ी संख्या बेरोजगार है। इनके पास निजी क्षेत्र में भी काम उपलब्ध नहीं है। इसके अलावे विज्ञापन सं0-02 विसेआ2019 तकनीशियन (लाइन) जिसका विज्ञापन 8 मार्च 2019, पद 4102 के विज्ञापन को बहाल करने, जेई 2016 के अभ्यर्थियों की तत्काल नियुक्ति व जेई 2018, विज्ञापन सं0- 10 विसेआ2022 तकनीशियन (विद्युत) का विज्ञापन 16 सितंबर 2022 को पद 891आदि की चयन प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरी करने की मांग उठाई गई है। बताया कि जल्द ही प्रयागराज सभी प्रतियोगी समूहों की संयुक्त युवा मोर्चा के बैनर तले युवा पंचायत बुलाई जाएगी जिसमें प्रदेशव्यापी रोजगार आंदोलन की रणनीति तैयार होगी।

एलईडी बनाने वाली कंपनी में लगी आग

नोएडा (यूएनएस)। नोएडा में रविवार रात थाना फेज-2 में सी-18 सेक्टर-80 आग लग गई। आग से वहां रखा लाखों का माल और मशीनरी जलकर राख हो गई।

जीमखाना क्लब में 21 जून को स्टेडियम में होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रेस को अवगत कराते अभियान के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी माधवेन्द्र सिंह आशीष अग्रवाल उमाशंकर हलवासिया राजन सेंगर।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय भारत सरकार और हज कमेटी ऑफइण्डिया की खीच-तान में पिस रहे हैं हज यात्री

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ऑफइंडिया के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. मुईन खान ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा

लखनऊ (यूएनएस)। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड आफइंडिया ने मक्का व मदीना में यूपी सहित पूरे देश के आजमीने हज को आ रही दिक्कतों पर गम्भीरता से संज्ञान लिया है। बोर्ड के राष्ट्रीय महासचिव डा. मोईन खान ने प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी को पत्र लिखा है और इसका जिम्मेदार अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय को ठहराया है। उन्होंने कहा कि हज के लिए आवेदन फार्म जारी करने से लेकर हज यात्रियों को मक्का मदीना भेजने से लेकर, वहां उनकी रिहाईश की व्यवस्था करने तथा हज के बाद उनकी वापस के इंतजाम की पूरी जिम्मेदारी संसद के निर्देश पर बनी हज कमेटी आफ इंडिया व राज्यों में राज्य हज कमेटी कमेटी की जिम्मेदारी है, लेकिन अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय और हज कमेटी के बीच ताल-मेल न होने के कारण देश भर के आजमीने हज को आवेदन फार्म भरने से लेकर, मक्का व मदीना जाने जाने और वहां मक्का-मदीना पहुंचकर परेशानियां झेलनी पड़ रहीं हैं। डा. मोईन ने कहा कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले देश के मुसलमानों के साथ इस तरह की परेशानियां पैदा करना समझ से परे है। उन्होंने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की भी मांग की है। डा. मोईन खान ने प्रधानमंत्री को भेजे पत्र में लिखा है कि हज-2023 की पालिसी डेड हो गयी थी। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय ने नयी पालिसी बनाने में 4 महीने का समय लगा दिया। इससे हज आवेदन फार्म फरवरी महीने में जारी हुए। इस विलम्ब की वजह से सिर्फउत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश में बहुत ही कम आवेदन आये।

इसलिए अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय को आवेदन फार्म की दो बार तारीख बढ़ानी पड़ी। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने हज कमेटी आफइंडिया का पोर्टल निरस्त कर दिया और एनआईसी के पोर्टल पर आवेदन करने तथा हज खर्च जमा करने को कहा। एनआईसी पोर्टल का सर्वर एक महीने डाउन रहा। इससे चलते माहे रमजान के दिनों में लाखों रोजेदारों को हज खर्च जमा करने के लिए कई-कई दिन लम्बी कतारों में खड़ा होना पड़ा। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय के कुप्रबंध की वजह से आप महोदय के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से जाने वाली उड़ान निरस्त हुई। इस वजह से वाराणसी और आसपास जिलों के तीन हजार से अधिक यात्रियों को लखनऊ आकर यहां से हज के लिए जाना पड़ रहा है। डा. मोईन ने कहा कि अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय ने यात्रियों को उनके उड़ान स्थलों पर ही भारतीय मुद्रा को रियाल में बदलने की व्यवस्था खत्म कर दी। इससे पूरे देश में रियाल की कालाबाजारी हुई और अभी भी हो रही है। डा. मोईन ने पत्र में लिखा कि देश भर की राज्य हज कमेटियों की मार्फत हज जाने वाले 1 लाख 40 हजार 20 हज यात्रियों की रिहाईश के लिए मक्का व मदीना में होटलों व भवनों का प्रबंध बीएसटी करती है। यहां भारत में हज प्रक्रिया 4 महीने विलम्ब से जारी होने की वजह से सऊदी अरब में विश्व के सभी देशों में अच्छे होटल व भवन ले लिये। उन्होंने कहा कि मक्का-मदीना में हजयात्रियों की रिहाईश की व्यवस्था हज कमेटी आफ इंडिया बीएसटी करती है। बीएसटी में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, हज कमेटी आफइंडिया मुंबई के अधिकारी, देश के प्रत्येक राज्य की हज कमेटी के अधिकारी होने चाहिए।

लेकिन मक्का-मदीना में भारतीय यात्रियों की रिहाइश के लिए कम जानकार लोगों का चयन कियास गया जोकि कानूनन गलत है और देश के 1 लाख 40 हजार 20 हज यात्रियों के साथ धोखा है। डा. मोईन ने कहा कि हमारे संगठन मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड आफइंडिया के पास न सिर्फउत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश हज यात्रियों ने अपनी परेशानियों के वीडियों, आडियो और फोटो भेज रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि उनको सुविधाविहीन कमरों में ठहराया गया है। जहां स्नानागार तक की सही व्यवस्था नहीं है। एक शौचालय को 50-50 लोग उपयोग कर रहे हैं। स्नानागार व शौचालयों की सफाई तक करने वाला कोई नहीं है। यह काम उनको स्वयं करना पड़ रहा है। उनका यह भी कहना है कि एक कमरे में 12 से 15 लोगों को ठहराया गया है। जबकि एक कमरे में 4 लोगों को ठहराया जाता है। यात्रियों की यह भी शिकायत है कि उनको कमरे में खराब बेड व मैली चादरें दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हज यात्रियों की सेवा के लिए भेजे गये हज सेवकों का वहां कोई अता-पता नहीं है। डा. मोईन ने पत्र में लिखा कि देश भर के मुसलमानों से जुड़ा होने की वजह से यह एक अतिगम्भीर मामला है। हज का प्रबंध करने की जिम्मेदारी हज कमेटी आफइंडिया और राज्य हज कमेटियों की है। ऐसे में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय का हज कमेटी आफइंडिया के कार्यों में गैरजरुरी हस्तक्षेप ही इसका एक मात्र कारण है। इस मामले की उच्चस्तरीय जांच करवाकर उचित कार्रवाई की जाए।

भ्रष्टाचारियों से सावधान रहे जनता: केशव

लखनऊ(यूएनएस)। गोरखपुर के चौरी चौरा विधान सभा क्षेत्र के सरदारनगर के मजीठिया स्टेडियम में सोमवार को महाजनसंपर्क अभियान के तहत 9 साल सुशासन और गरीब कल्याण के कार्यक्रम को संबोधित करते प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि 2024 में फिर मोदी के नेतृव में प्रचंड बहुमत की सरकार बनाने के लिए संकल्प लें,और भ्रष्टाचारियों से सावधान व सतर्क रहें। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने देश की महिलाओं का बड़ा सम्मान किया है। माताओ, बहनों को प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना में आवास, शौचालय, उज्जवला योजना में मुफ्त गैस सिलेंडर दिया। गरीब जनता को निरूशुल्क राशन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पी एम के नेतृत्व में देश का चतुर्दिक विकास हो रहा है। सरकार ने बाहरी व आंतरिक सुरक्षा के साथ देश को सड़क, पानी, बिजली व बुनियादी सुविधाएं निरूशुल्क मुहैया कराया है। 2014 से पहले देश की दिशा व दशा कहां थी। आज देश विकास की ऊंचाइयों को छू रहा है। 2014 से पूर्व गोरखपुर जिले की क्या स्थिति थी। आज क्या स्थिति है। हर तरफ विकास हो रहा है। एम्स, फर्टिलाइजर एवं स्वास्थ्य सुविधाएं देकर जिले के लोगो को विकास के मुख्य धारा से जोड़ने का काम सरकार ने किया है। बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों का बहुमुखी व चहुंमुखी विकास किया जा रहा है। इससे पूर्व उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 63 लाख का चेक वितरित किया। उन्होंने पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को भी प्रमाण पत्र वितरित किया।सांसद कमलेश पासवान ने सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार ने सभी वर्गों का विकास किया है। उन्होंने बांसगांव विधानसभा क्षेत्र के सभी कार्यकर्ताओं का आभार जताया और पीएम मोदी के नेतृत्व में 2024 मे फिर सरकार बनाने की अपील किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, डॉ विमलेश पासवान, एमएलसी प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता, मनोज कुमार शुक्ला, पूर्व विधायक बेचन राम, चिल्लूपार विधायक राजेश त्रिपाठी, जे पी शाही, प्रमुख प्रतिनिधि हरेंद्र यादव, प्रमुख सुमन यादव, डॉ विभ्राट चंद कौशिक, आनन्द शाही, दीपक कुमार जायसवाल, एमएलसी रतन पाल सिंह, राजकुमार गुप्ता, भोलानाथ पासवान, योगेंद्र जायसवाल, विनोद शर्मा, सुग्रीव तिवारी, चंदन मिश्रा, राजन पांडेय सहित तमाम लोगो ने डिप्टी सीएम का स्वागत किया।

पुरी के तर्ज पर चार घोड़े के रथ पर विराजमान होकर निकलेंगे श्री जगन्नाथ'

लखनऊ (यूएनएस)। डालीगंज स्थित श्री माधव मंदिर वार्षिक उत्सव में श्री जगन्नाथ महोत्सव कार्यक्रम की तैयारी अपने अंतिम चरणों पर चल रही है संस्थान महामंत्री अनुराग साहू ने बताया कि इस बार रथ यात्रा पुरी के तर्ज पर किया गया है जिसमें भगवान जगन्नाथ के श्री विग्रह जगन्नाथ पुरी से लाकर के प्राण प्रतिष्ठा पूजन करने के बाद श्री भगवान को नगर भ्रमण पर निकल जाएगा। इस बार भगवान जगन्नाथ जी का रथ आकर्षण का केंद्र रहेगा। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 4.30 बजे से श्री जगन्नाथ में सुभद्रा बाय बलदेव भगवान के महा आरती करके छप्पन भोग प्रसाद लगाया जाएगा फिर श्री भगवान को रथ पर विराजमान करके नगर भवन पर निकलेंगे। रथ से प्रसाद में जामुन, मौसमी फ्रूट, बूंदी प्रसाद का वितरण किया जाएगा। उपाध्यक्ष ओमकार जयसवाल ने बताया कि इस बार शहर में पहली बार डालीगंज स्थित अतुल अग्रवाल चौराहा पर पांच मंचो पर वाराणसी से पधारे आचार्यों द्वारा महाआरती किया जाएगा। महामंत्री अनुराग साहू ने बताया कि इस बार भगवान जगन्नाथ रथ महोत्सव में बाहर से कलाकार अपनी सेवा में वृन्दावन का मयूर नृत्य, उज्जैन की प्रभात फेरी

जनवीणा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधा द्विवेदी द्वारा राज तरुण ऑफसेट, एल.जी.एफ. 4-5, अंसल सिटी सेन्टर, निकट यू. पी. प्रेस क्लब, हज़रतगंज, लखनऊ से मुद्रित तथा 499/1, विनय विहार कालोनी, इन्दिरा नगर, निकट-बी.आर. इंटरनेशनल स्कूल, पो. सीमैप, लखनऊ-226015 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक- सुधा द्विवेदी
कार्यकारी सम्पादक
डॉ. एस.के.गोपाल
प्रबंध सम्पादक
होमेन्द्र कुमार मिश्र
विशेष संवाददाता
सुनील कुमार सिंह
संवाददाता
जादूगर सुरेश कुमार
सम्पर्क : 9451532641, 8765919255

ईमेल :janveenanews@gmail.com

RNI No. UPHIN/2011/43668

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।